

गुंडई स्त्री. (देश.) गुंडापन, बदमाशी।

गुंडक पुं. (तत्.) 1. धूल 2. चूर्ण 3. तेल रखने का बरतन, तैल पात्र 4. कर्णप्रिय, कोमल, मधुर ध्वनि 5. गंदा आटा 6. गंदी, धूल मिली भोज्य सामग्री।

गुंडली स्त्री. (देश.) कुंडली, गेंडुरी।

गुंडा पुं. (देश.) 1. बदमाश आदमी, छोटे चाल-चलन वाला 2. गोला।

गुंडासिनी स्त्री. (तत्.) गोंदला नाम की घास।

गुंडिक पुं. (तत्.) आटा, चूर्ण।

गुंडित वि. (तत्.) 1. चूर्ण किया हुआ 2. धूल से ढका हुआ।

गुंडी स्त्री. (देश.) सूत की लच्छी, पीतल का छोटा जल पात्र, कलसा।

गुंधाई स्त्री. (देश.) 1. गूँधने की क्रिया या भाव 2. गूँधने की मजदूरी।

गुंधावट स्त्री. (देश.) गूँधने का ढंग।

गुंफ पुं. (तत्.) 1. उलझन, फँसाव 2. गुच्छा 3. दाढ़ी, गुलमुच्छा 4. कारणमाला अलंकार 5. सज्जा 6. बाजूबंद 7. संयोजन, रचना, व्यवस्था।

गुंफन पुं. (तत्.) 1. उलझन, फँसाव, गुत्थम गुत्था, गूँधना 2. क्रमबद्ध करना 3. डोरे आदि में पिरोना 4. भरने का काम।

गुंफना स्त्री. (तद्.) 1. गूँथना 2. व्यवस्था, रचना 3. शब्दों और अर्थ की वाक्य में सम्यक् रचना।

गुंबद पुं. (फा.) गुंबज, वस्तु रचना में वह शिखर जो आधे गोले के आकार का और अंदर से पोला हो जैसे- मसजिदों का गुंबद।

गुंबदी वि. (फा.) 1. गुंबद की शक्ल का, गुंबद वाला।

गुंबा पुं. (फा.) सिर में चोट लगने और उसके फलस्वरूप खून से जमने वाली गाँठ, गुलमा।

गूँधना अ.क्रि. (तद्.) दे. गुथना।

गुँदला पुं. (तद्.) नागरमोथा नाम की धारा।

गूँधना अ.क्रि. (तद्.) पानी में सान कर मसला जाना, माँडा जाना प्रयो. वह आटा गूँध रहा है।

गुआर पाठा पुं. (देश.) दे. ग्वारपाठा।

गुग्गुल पुं. (तत्.) एक कांटेदार पेड़ 2. सलईका पेड़ जिससे धूप या राल निकलती है 3. राल जो सुगंधि के लिए जलाते हैं।

गुग्गुलक पुं. (तत्.) दे. गुग्गुल।

गुच्ची स्त्री. (तद्.) सौ पानों की गड़्डी, आधी ढोली।

गुच्ची स्त्री. (अनु.) गुल्ली आदि खेलने के लिए जमीन में बना बहुत छोटा गड़्ढा वि. (तत्.) बहुत छोटी, नन्ही।

गुच्छ पुं. (तत्.) 1. गुच्छा, एक में बंधे फूलों का समूह 3. घास की जूड़ी 4. झाड़ 5. बत्तीस लड़ी का हार 6. मोती का हार 7. मोर की पूंछ।

गुच्छ पत्र पुं. (तत्.) ताड़ का पेड़।

गुच्छ पुष्प पुं. (तत्.) 1. अशोक वृक्ष 2. रीठा, छतिवन।

गुच्छ फल पुं. (तत्.) 1. रीठा 2. निर्मली 3. दौना 4. मकोय 5. अंगूर 6. कदली।

गुच्छा पुं. (तत्.) 1. कई पत्तों या फलों का समूह 2. छोटी वस्तुओं का समूह 3. झब्बा।

गुज़रना अ.क्रि. (फा.) 1. समय व्यतीत करना, होना, कटना, बीतना प्रयो. रात तो जैसे-तैसे काट ली परन्तु दिन गुजारना कठिन है मुहा. किसी पर गुजरना- संकट पड़ना; गुजर जाना- मर जाना 2. किसी से होकर आना या जाना 3. नदी पार करना 4. निर्वाह होना, निपटना, निभना प्रयो. चिंता की बात नहीं, दोनों की खूब गुजरेगी 5. मन में आना, विचार में आना।

गुज़र-बसर पुं. (फा.) निर्वाह, गुजारा मुहा. गुजर बसर होना-समय व्यतीत होना।

गुजरबान पुं. (फा.) 1. मल्लाह, पार उतारने वाला 2. जो व्यक्ति घाट की उतराई वसूल करता है।

गुजरात पुं. (तद्.) भारत के दक्षिण-पश्चिम में स्थित राज्य।